टुट की मम्मी

खोयी.........और पायी

जुडी डोनेली

टुट की मम्मी

खोयी.........और पायी

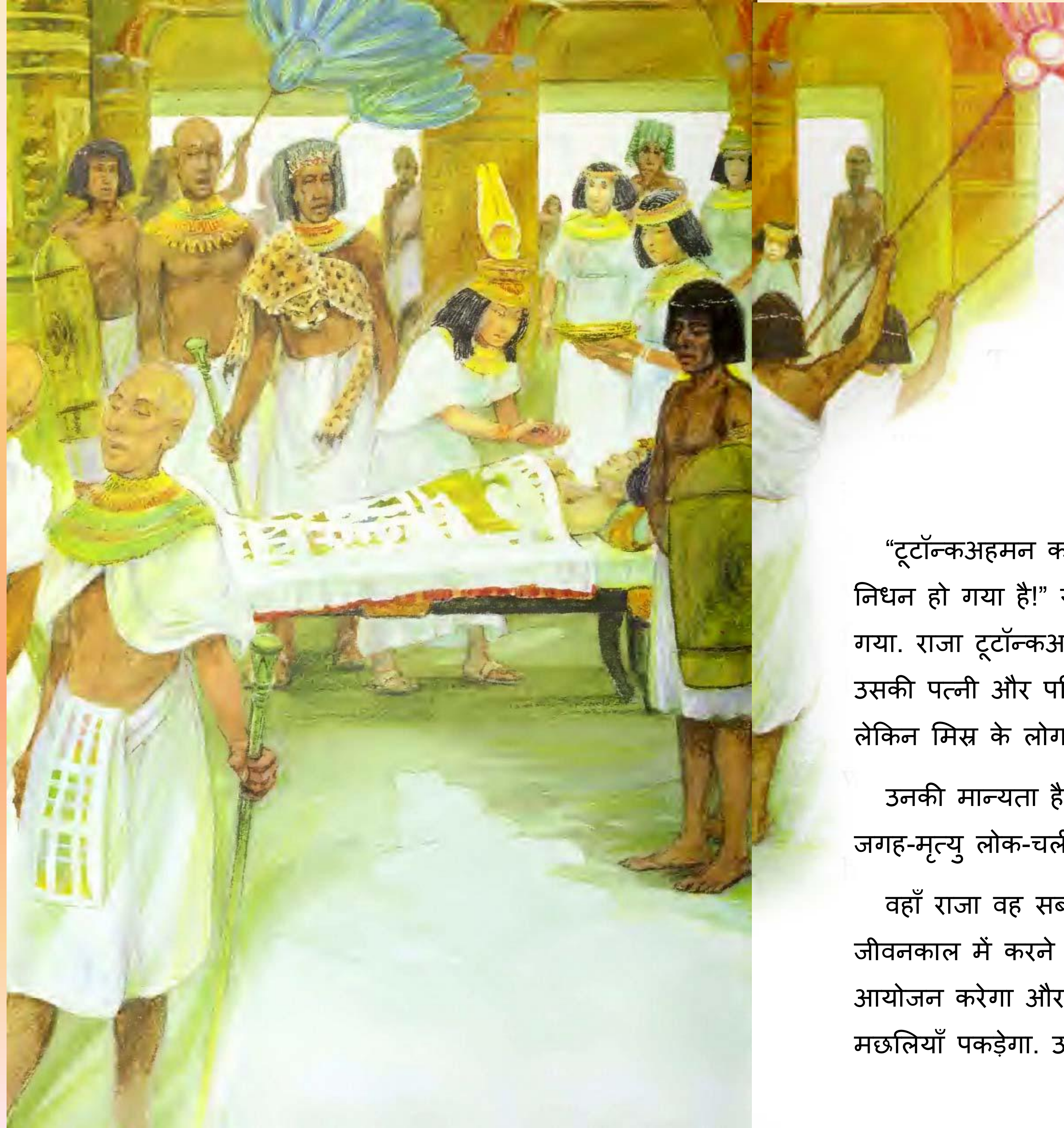

1

"टूटॉन्कअहमन का निधन हो गया है! बालक-राजा का निधन हो गया है!" यह समाचार मिस्र में हर ओर फैल गया. राजा टूटॉन्कअहमन की आयु मात्र अठारह वर्ष थी. उसकी पत्नी और परिवार उसे खो कर बहुत दुखी हैं. लेकिन मिस्र के लोग प्रसन्न हैं.

उनकी मान्यता है कि राजा की आत्मा एक अद्‌भुत जगह-मृत्यु लोक-चली जायेगी.

वहाँ राजा वह सब कार्य करेगा जो कार्य उसे अपने जीवनकाल में करने अच्छे लगते थे. वह भोज का आयोजन करेगा और खेल खेलेगा. वह शिकार करेगा और मछलियाँ पकड़ेगा. उसकी आत्मा सदा प्रसन्न रहेगी.

मृत्युलोक में टूटॉन्कअहमन को कई वस्तुओं की आवश्यकता होगी. उसे भोजन और वस्त्रों और फर्नीचर की आवश्यकता होगी. उसे खेलों के सामान की और आभूषणों की आवश्यकता होगी. यह सब वस्तुएं उसके शरीर के साथ दफन की जानी चाहियें.

राजा का स्वर्ण हार

एक गेमबोर्ड जो राजा के साथ दफनाया गया

लेकिन राजा की सबसे बड़ी आवश्यकता होगी उसका शरीर. मिस्र के लोगों का मानना है कि एक आत्मा अपने शरीर के बिना नहीं रह सकती. इसलिए एक मृत शरीर को इस प्रकार सुखाया जाता है कि वह कभी नष्ट न हो. एक मृत शरीर को मम्मी में परिवर्तित कर दिया जाता है.

पुजारी महल में आते हैं. वह राजा के लिए प्रार्थना करते हैं. फिर वह राजा के शरीर को सुखा देते हैं. इस प्रक्रिया के लिए वह एक खास तरह के नमक का प्रयोग करते हैं जिसका नाम नैट्रोन है. इस प्रक्रिया को पूरा होने में कई दिन लग जाते हैं. मम्मी को कई गज़ लंबे, महीन कपड़े में लपेटा जाता है. एक सौ से अधिक हीरे और तावीज़ भी कपड़े में लपेटे जाते हैं. यह तावीज़ राजा को दुष्ट आत्माओं से बचा कर रखेंगे.

एक मम्मी बनाने में सत्तर दिन लग जाते हैं. लेकिन अंततः मम्मी तैयार हो जाती है.

अब अंत्येष्टि का समय है. राजा की आत्मा का मृत्युलोक जाने के समय आ गया है.

टूटॉन्कअहमन की मम्मी को किसी सुरक्षित जगह पर रखना अनिवार्य है. एक समय था जब मिस्र के राजाओं को विशाल पिरामिडों में दफनाया जाता था.

लेकिन लुटेरे उनमें सेंध लगा कर बहुमूल्य सामान लूट लेते थे. इसलिए टूटॉन्कअहमन को एक गुप्त भूमिगत मकबरे में दफनाया जाएगा.

राजा की अंत्येष्टि की विधि आरंभ होती है. एक बड़ा जुलूस धीरे-धीरे नील नदी की ओर चलता है. राजा का सोने का ताबूत धूप में चमक रहा है.

युवा रानी साथ चल रही है. वह ऊँची आवाज़ में प्रार्थना कर रही है.

मिस्र के लोग मानते हैं कि कुछ देवता पशुओं का रूप धारण करते हैं. इसलिए कुछ पुजारियों ने तेंदुए का खाल ओढ़ रखी है तो कुछ ने पशुओं के चेहरों जैसे मुखौटे पहन रखे हैं. वह सब गीत गा रहे हैं और मंत्र जाप कर रहे हैं. एक पुजारी ने एक कुत्ते को मुखौटा पहन रखा है. उसे मम्मियों का देवता, अनुबिस माना जाता है.

औरतें रो रही हैं और अपने वस्त्र फाड़ रही हैं. वह दिखा रही हैं कि अपने राजा को खो कर वह कितनी दुखी हैं.

उनके पीछे सैंकड़ों दास आ रहे हैं. उन्होंने राजा का खज़ाना उठा रखा है. उन्होंने वस्त्रों और आभूषणों से भरे संदूक उठा रखे हैं वह रथ और हथियार लेकर आ रहे हैं. उन्होंने भोजन और फूलों से भरी टोकरियाँ उठा रखी हैं.

दास सैंकड़ों छोटी-छोटी मूर्तियाँ भी ला रहे हैं. मृत्युलोक में यह मूर्तियाँ जादू से दासों में बदल जाएंगी. वह दास राजा की सेवा करेंगे.

सुंदर नावों द्वारा लोगों को और सारा सामान को नदी के पार ले जाया जाता है. वह सब एक पथरीली-वीरान घाटी की ओर जा रहे हैं.

राजा के ताबूत को एक प्रकार की स्लेज पर रखा जाता है. पथरीले रास्ते पर उस स्लेज को खींच कर ले जाया जाता है.

लोग पीछे-पीछे आ रहे हैं. वातावरण गर्म और धूल भरा है. वह मीलों चलते हैं. आखिरकार सब एक घाटी के गुप्त प्रवेश मार्ग पर पहुँचते हैं. यहाँ शाही कब्रिस्तान है. पुजारी दिन-रात इसकी चौकसी करते हैं.

चट्टानों को काट कर एक द्वार बनाया गया है. अंदर आग जल रही है. यह टूटॉन्कअहमन का गुप्त मकबरा है.

पुजारी प्रार्थना कर रहे हैं वह मम्मी के मुँह, आँख और कानों को छूते हैं. अब राजा की आत्मा सुन सकती है, देख सकती है और बोल सकती है.

मम्मी को एक ताबूत के अंदर रख दिया जाता है और उसे मकबरे के भीतर ले जाया जाता है. इसके साथ ही राजा का सारा खज़ाना भी भीतर ले जाया जाता है.

भव्य अंत्येष्टि भोज आरंभ होता है. संगीत बजता है, नृत्य होता है. भोजन और मदिरा का प्रबंध है.

आखिरकार भोज समाप्त होता है. मकबरे के प्रवेश को पत्थरों से भर दिया जाता है. अब मकबरा छिप गया है. शायद लुटेरे यहाँ न पहुँच पायें.

सब नदी पार आ जाते हैं. वह प्रसन्न हैं. उनका राजा एक नए जीवन की ओर प्रस्थान कर चुका है.

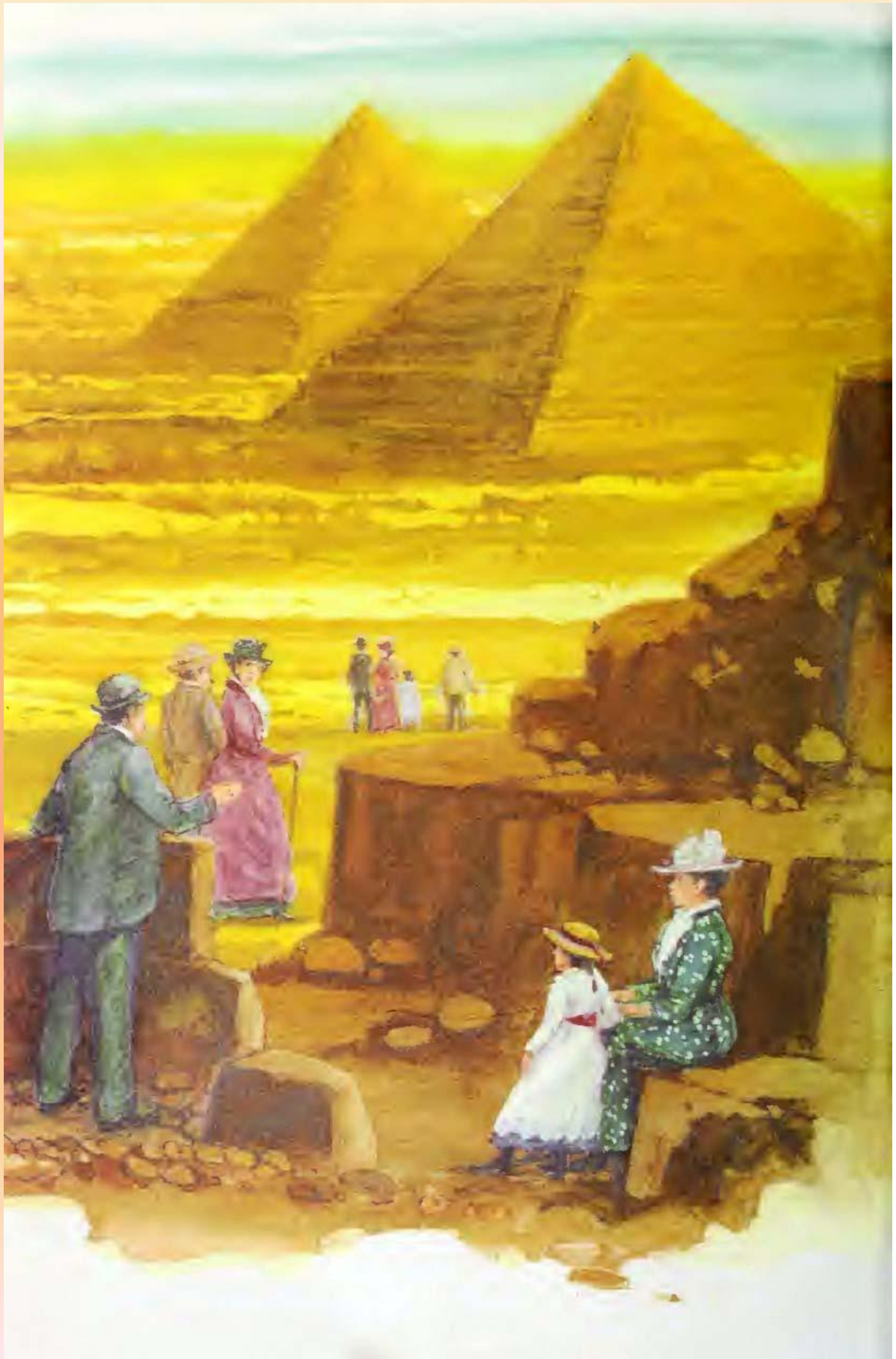

2

लुप्त राजा

तीन हज़ार से अधिक वर्ष बीत गए. मरुस्थल में विशाल पिरामिड अभी भी हैं. लेकिन मिस्र के महान दिन बीत चुके हैं.

दूसरे देश के राजाओं ने इस देश पर आधिपत्य स्थापित कर लिया है. पुरानी धारणाएं मिट चुकी हैं. अब राजाओं को खज़ाने के साथ दफनाया नहीं जाता. राजाओं के मृत शरीर की मम्मी नहीं बनाई जाती. टूटॉन्कअहमन का नाम लोग भूल चुके हैं. उसका मकबरा भी.

फिर उन्नीसवीं शताब्दी के आरंभ में कुछ घटनाएं घटती हैं. लोग प्राचीन काल में दिलचस्पी लेने लगते हैं. अन्य देशों से यात्री मिस्र आने लगते हैं. वह वहाँ के मन्दिरों और पिरामिडों का निरीक्षण करने लगते हैं. वहाँ से वह कई वस्तुएं-मिट्टी के बर्तन, मनके, मूर्तियाँ और मम्मी-अपने साथ वापस ले जाने का प्रयास करते हैं.

यात्रियों में कुछ पुरातत्व विज्ञानी भी हैं. यह वह वैज्ञानिक हैं जो धरती में खुदाई करके प्राचीन सभ्यताओं से बारे में जानकारी इकट्ठी करते हैं. वह नील नदी से दूर यात्रा करते हैं. वह मरुस्थल जाते हैं. वह रेत में खुदाई करते हैं.

वह लुप्त हो चुके मंदिरों की खोज करते हैं. उन्हें दीवारों पर बनी सुंदर पेंटिंग्स और पशुओं और देवताओं की अनोखी मूर्तियाँ मिलती हैं.

पुरातत्व विज्ञानियों को हज़ारों मम्मी मिलती हैं, पुरुषों की, महिलाओं और बच्चों की. पशुओं की मम्मी भी मिलती हैं-बिल्लियों की, बैलों की, मगरमच्छों की. यहां तक कि कीटों की मम्मी भी मिलती हैं.

हर पुरातत्व विज्ञानी का सपना है कि वह किसी राजा की मम्मी खोज पाए.

एक वीरान घाटी में कुछ पुरातत्व विज्ञानी खुदाई शुरु करते हैं. इस जगह को राजाओं की घाटी कहा जाता है.

एक पुरातत्व विज्ञानी को एक गुप्त मकबरा मिलता है. यह किसी प्रसिद्ध राजा का मकबरा है. शीघ्र ही दर्जनों और मकबरे ढूँढ लिए जाते हैं.

लेकिन सब मकबरे खाली हैं. लुटेरों ने बहुत पहले ही इन मकबरों में रखे सामान को लूट लिया है.

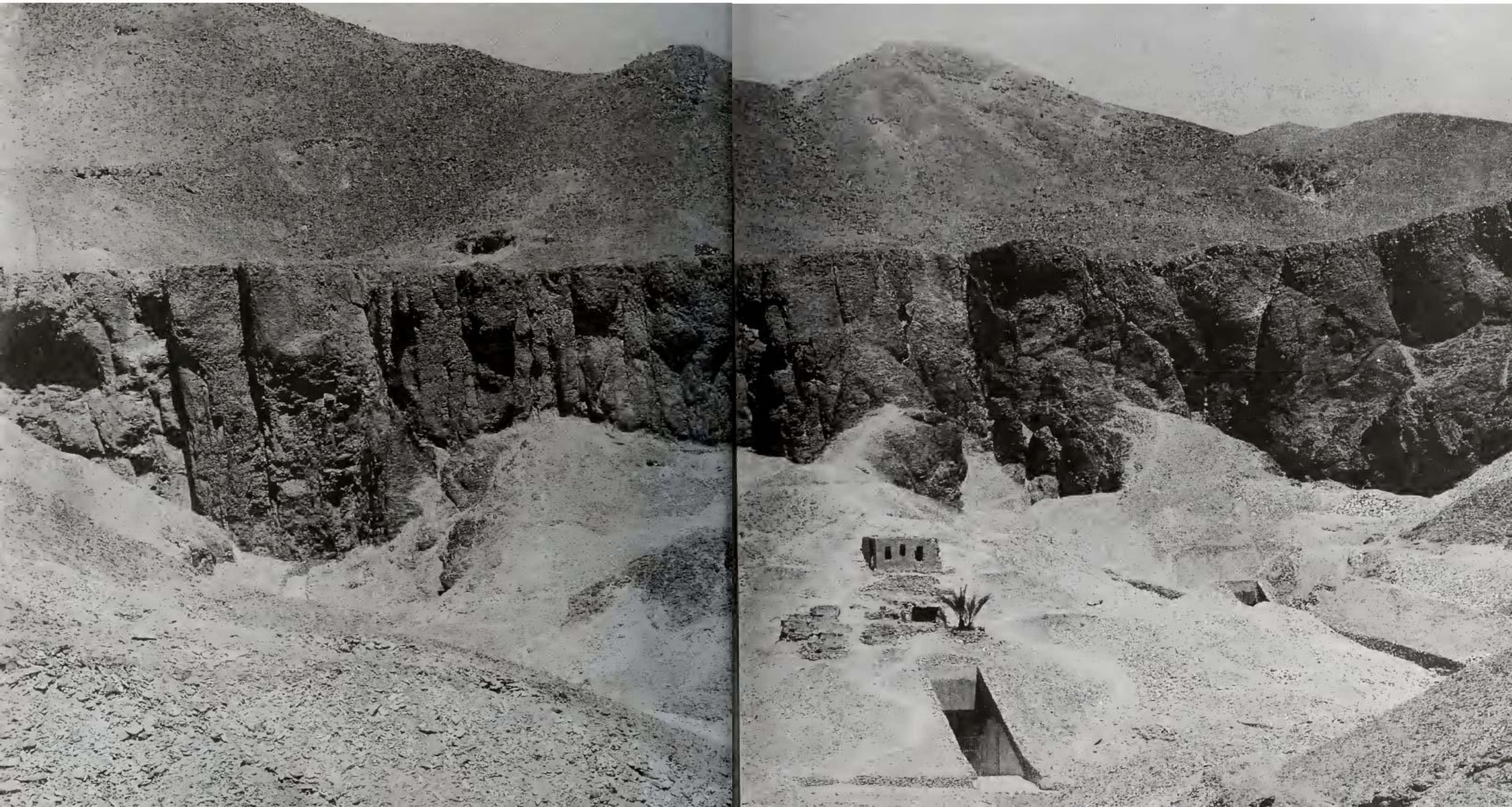

सन 1900 के आते-आते अधिकांश लोग लौट गए हैं. उनका कहना है कि ज़मीन के हर इंच भूमि में खुदाई कर ली गई है. वहाँ कोई और मकबरे नहीं हैं.

लेकिन एक इंग्लिश पुरातत्व विज्ञानी सहमत नहीं है. उसका नाम है हॉवर्ड कार्टर्. उसे लगता है कि घाटी में एक राजा दफन है.

टूटॉन्कअहमन

3

खोज

अन्य पुरातत्व विज्ञानियों को लगता है कि हॉवर्ड कार्टर् मूर्ख है. घाटी में कुछ नहीं है. उन्हें इस बात का विश्वास है.

लेकिन हॉवर्ड कार्टर् ज़िद्दी है. वह मिस्र पहली बार तब आया था जब उसकी उम्र सिर्फ सत्रह साल थी. उसने वर्षों तक घाटी में काम किया है. वह घाटी को अच्छे से जानता है. उसे विश्वास है कि टूटॉन्कअहमन का मकबरा इसी घाटी में है. वह उस मकबरे को खोज निकालेगा.

कुछ अवशेष मिले हैं- एक कप, कुछ जार, सोने की कुछ पतली परतें. सब पर टूटॉन्कअहमन का नाम अंकित है.

लेकिन सारे चिन्ह एक दूसरे राजा के खाली मकबरे के पास मिले थे. मकबरे के बहुत निकट. मिस्र के लोगों ने दो मकबरे इतने निकट न बनाए होंगे. क्या बनाए होंगे?

बहुत भयंकर जगह है. वहाँ न तो कोई पेड़ और न ही घास. सिर्फ रेत और चट्टानें हैं. भयंकर गर्मी है. धूल है. कहीं कोई छाया नहीं है. लेकिन सांपों और कीटों के छिपने के लिए कई स्थान हैं.

हॉवर्ड किसी बात की परवाह नहीं करता. वह और उसके आदमी काम में जुट जाते हैं. काम बहुत कठिन है और धीमी गति से चल रहा है. आदमी टोकरियों को रेत और पत्थरों से भरते हैं. टोकरियों को उठा कर दूर ले जाते हैं और खाली करते हैं. खाली टोकरियाँ लेकर वापस आते हैं और उन्हें फिर से भरते हैं.

हॉवर्ड किसी की बात नहीं सुनता. और भाग्य ने उसका साथ दिया. उसकी मुलाकात एक धनी अंग्रेज़ से होती है जो उसकी बात का विश्वास करता है. उस धनी का नाम है ल़ार्ड कारनैरवॉन. वह हॉवर्ड को अपनी खोज आरंभ करने के लिए धन देता है.

हॉवर्ड पचास आदमियों को काम पर रखता है और खुदाई करने के लिए घाटी की ओर चल पड़ता है.

आखिरकार उन्हें कुछ सफलता मिलती है. लेकिन वह किसी राजा का मकबरा नहीं है. वह पत्थरों की बनी प्राचीन झोंपड़ियां है. हॉवर्ड निराश हो जाता है. वह घाटी के एक दूसरे भाग में चला आता है.

वह पांच वर्षों तक खुदाई करता है. उसे क्या मिलता है? कुछ भी नहीं.

अंततः लार्ड कारनैरवॉन भी निराश हो जाते हैं. वह पीछे हटना चाहते हैं. लेकिन हॉवर्ड हार नहीं मानना चाहता. वह एक और प्रयास करने के लिए निवेदन करता है.

उसे पत्थरों की झोपड़ियों का ध्यान आता है. वह उनके नीचे खुदाई करना चाहता है. उस जगह किसी ने भी खुदाई करने का प्रयास नहीं किया था.

ल़ार्ड कारनैरवॉन उसकी निवेदन मान लेते हैं. लेकिन हॉवर्ड के लिए यह अंतिम अवसर है.

सौभाग्य के लिए हॉवर्ड ने एक गोल्डन कनेरि खरीदा. फिर नवंबर 1922 में उसने और उसके आदमियों ने दुबारा खुदाई का काम शुरु किया.

तीन दिनों के बाद उन लोगों को एक पैड़ी मिली. यह एक चट्टान में काट कर बनाई हुई है. फिर एक और पैड़ी मिली, फिर एक और. इस तरह उन्हें एक सीढ़ी मिल जाती है. यह सीढ़ी एक गुप्त दरवाज़े तक जाती है.

इस खोज से हॉवर्ड बहुत उत्तेजित है. इस दरवाज़े के पीछे क्या है? लेकिन वह ल़ार्ड कारनैरवॉन को भुला नहीं सकता, ल़ार्ड कारनैरवॉन बहुत दूर इंग्लैंड में हैं लेकिन हॉवर्ड जानता है कि वह भी इस समय यहाँ उपस्थित होना चाहेंगे.

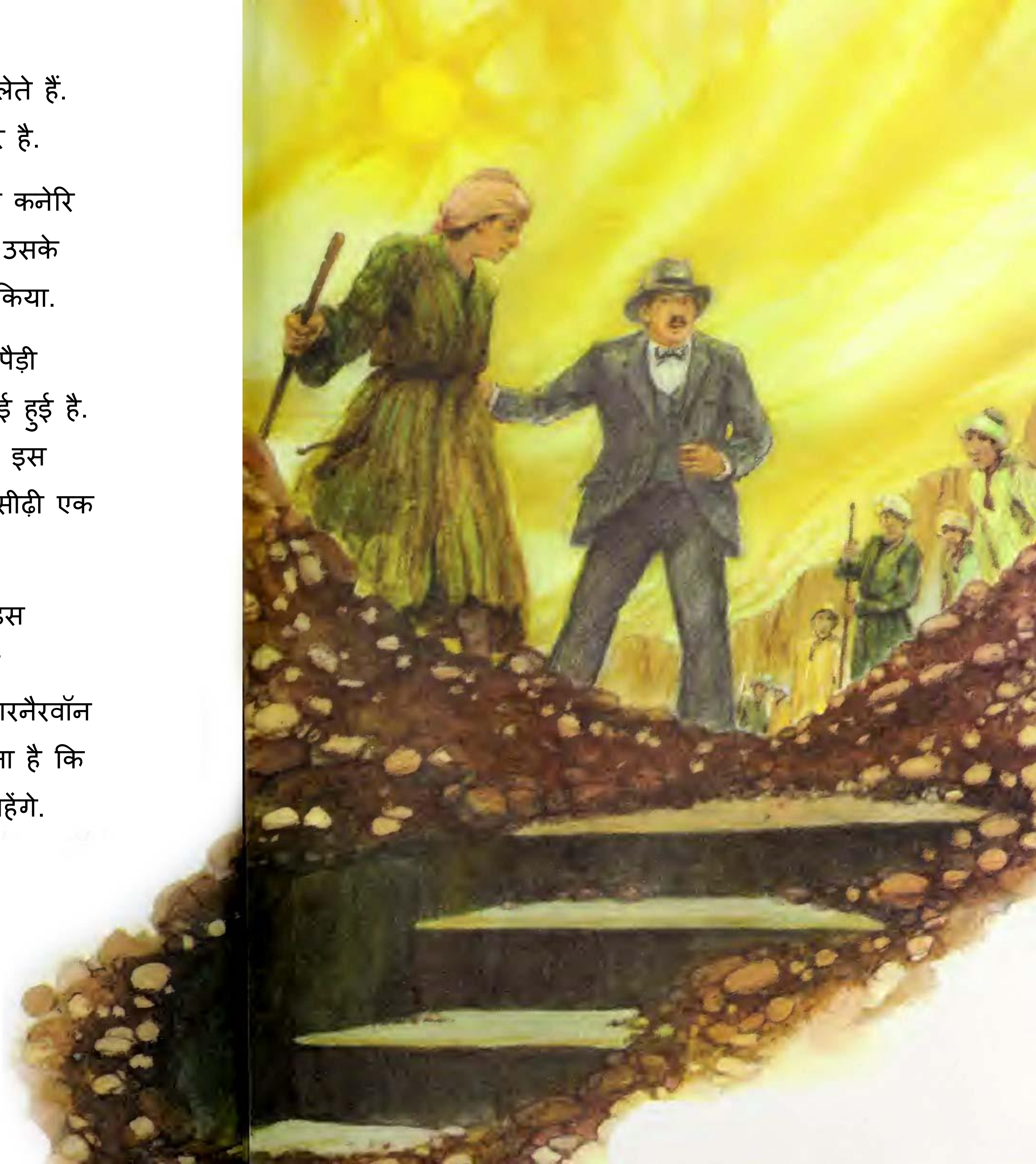

हॉवर्ड ने अपने मित्र को तुरंत सूचना भेजी.

सूचना मिलते ही, लार्ड कारनैरवॉन मिस्र के लिए रवाना हो गये. लेकिन 1922 में अधिक हवाई जहाज़ नहीं थे. उन्हें जहाज़, ट्रेन, दूसरा जहाज़, फिर एक और ट्रेन और आखिर में एक गधे पर यात्रा करनी पड़ी. इस यात्रा में पूरे दो सप्ताह का समय लग जाता है.

अंततः दोनों मित्र गुप्त दरवाज़े के सामने खड़े हैं. हॉवर्ड को कुछ लिखा दिखाई देता है जिसकी ओर उसका ध्यान पहले नहीं गया था. एक नाम लिखा है: टूटॉन्कअहमन!

4

खोज

सावधानी के साथ हॉवर्ड दरवाज़े में एक सुराख करता है. सुराख के पास एक मोमबत्ती लाता है. लार्ड कारनैरवॉन उसके पीछे खड़े है. “क्या कुछ दिखाई दे रहा है?” उन्होंने पूछा.

हॉवर्ड कुछ बोल नहीं पाता. फिर कठिनाई से कहता है, “हाँ, आश्चर्यजनक चीज़ें!”

वहाँ सोने के रथ हैं, रत्नों से जड़ी संदूक हैं. पशुओं के आकार के पलंग और कोच हैं. फूलदान और मूर्तियां हैं. हर चीज़ सोने की तरह चमक रही है.

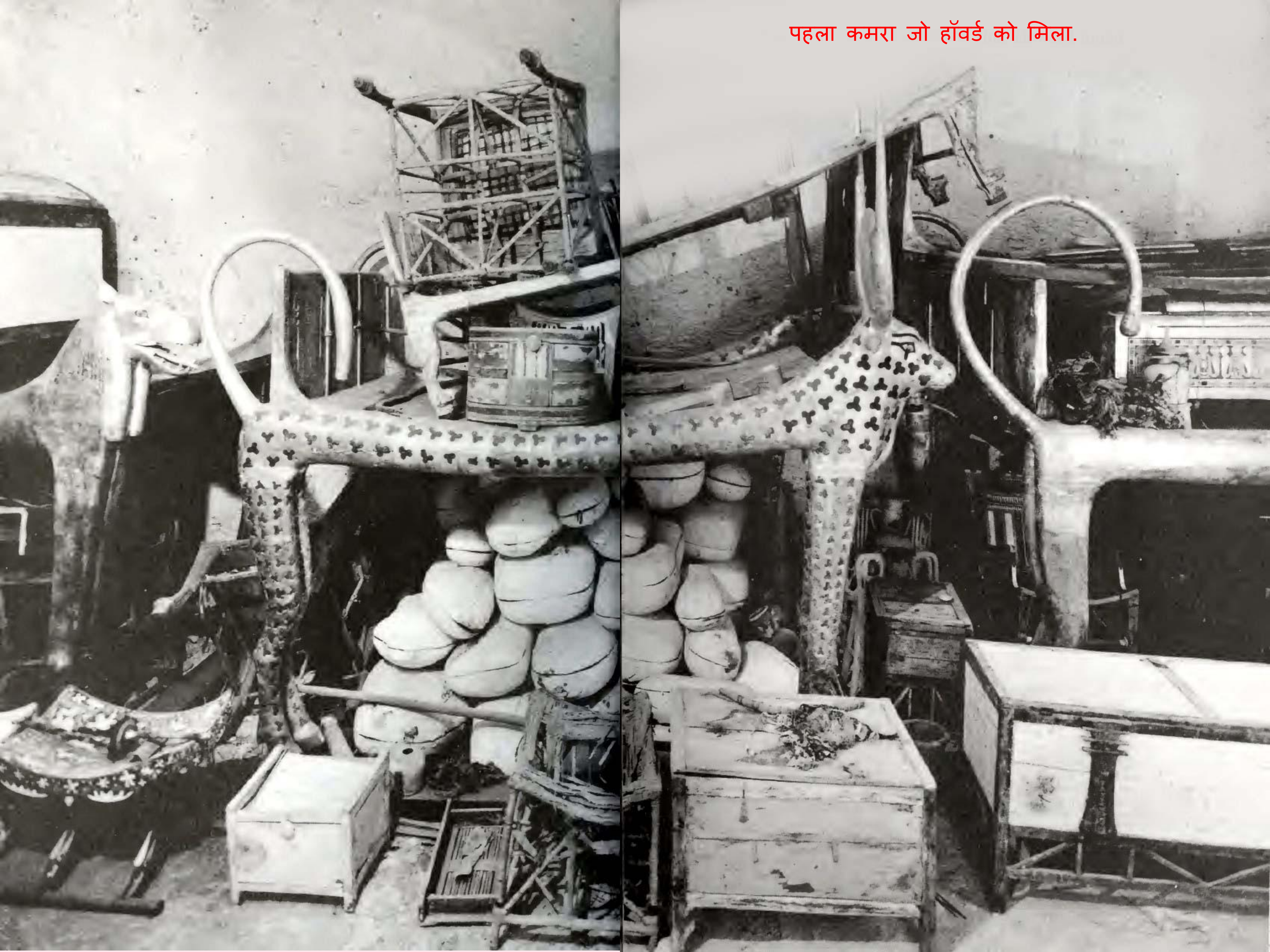

पहला कमरा जो हॉवर्ड को मिला.

वह थोड़ा भयभीत है. हवा में प्राचीन अंत्येष्टि के फूलों की महक है. ऐसा लगता है कि बीच का अंतराल मिट गया है. उसे लगता है कि राजा को कुछ मिनट पहले ही दफनाया गया था.

उसे राजा की दो बड़ी मूर्तियाँ मिलती हैं. उसे टूटॉन्कअहमन का स्वर्ण सिंहासन दिखाई देता है. वह उत्तेजित हो जाता है. हर और ख़ज़ाना पड़ा हुआ है, फर्श से लेकर छत तक. और अन्य कमरों में जाते दरवाज़े भी हैं. एक दरवाज़ा सीलबंद है. हॉवर्ड को विश्वास है कि राजा की मम्मी उस सीलबंद दरवाज़े के पीछे कहीं पर है.

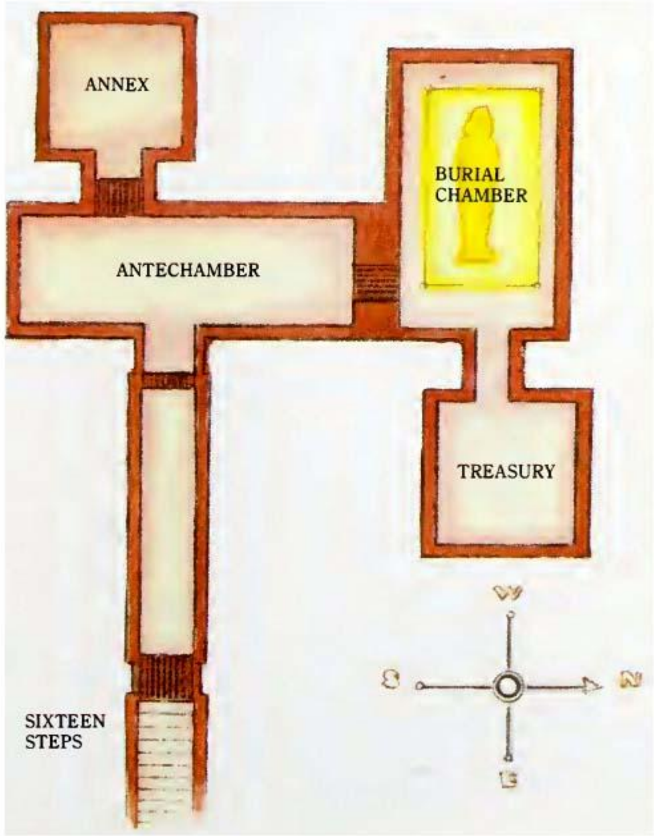

राजा का मकबरे के सब कमरे.

5

राजा की खोज

इस मकबरे की खोज का समाचार कई देशों के समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ पर छपता है. अब तक खोजे गए खज़ानों में यह सबसे बड़ा खज़ाना है.

हॉवर्ड कार्टर् प्रसिद्ध हो जाता है. टूटॉन्कअहमन भी. समाचार पत्रों में उसका नाम छोटा करके राजा टुट लिखा जाता है. और अचानक हर जगह उसकी चर्चा होने लगती है- रेडियो पर, सिनेमा में, गानों और चुटकुलों में भी. हर कोई मिस्र देश की शैली के कपड़े और आभूषण पहनना चाहता है.

हॉवर्ड सीलबंद दरवाज़े को तुरंत खोलना चाहता है. लेकिन पहले खज़ाने की सैंकड़ों वस्तुओं को वहाँ से बाहर निकालना होगा. उन्हें बड़ी सावधानी के साथ ही हटाना होगा. हॉवर्ड पहले गलती कर चुका है. उसने एक बार मोतियों की एक माला को छूआ था. धागा धूल बन गया और मोती हर ओर बिखर गए थे. हॉवर्ड को हर एक मोती को ढूँढ कर पतली चिमटी से उठाना पड़ा था. कुल 371 मोती थे.

मकबरे को खाली करने में महीनों लग गए. लेकिन आखिरकार हॉवर्ड राजा की मम्मी को खोजने के लिए तैयार है.

बड़ी सावधानी के साथ वह सीलबंद दरवाज़े को खोलता है. आरंभ में तो उसे सिर्फ सोने की एक दीवार दिखाई देती है. यह एक विशाल सुनहरी अलमारी है. इस के अंदर एक पत्थर का बड़ा संदूक है. संदूक के अंदर तीन सुंदर ताबूत हैं. हर ताबूत दूसरे के भीतर रखा है. नीचे बनी तस्वीर में आप देख सकते हैं कि वह कैसे रखे थे.

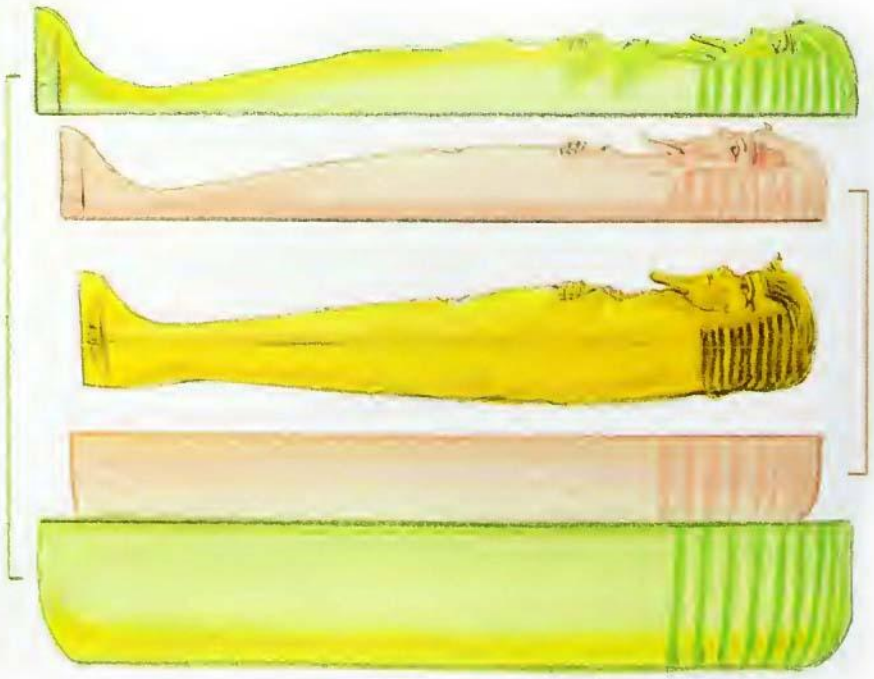

अंतिम ताबूत ठोस सोने का बना है.

इसका भार दो सौ पाउंड से अधिक है.

हॉवर्ड सावधानी के साथ सोने की कीलें निकालता है. यह एक विशेष क्षण है. एक समय टूटॉन्कअहमन उसके लिए बस एक नाम था. अब उसने मुर्तियों में राजा का चेहरा देखा है.

हॉवर्ड तीसरे ताबूत को खोलता हुआ.

उसने राजा की प्रिय वस्तुओं को छूआ है. राजा की पोशाक और जूतों को. उसके खेलने के सामान को. उस कुर्सी को जिस पर राजा बैठा था जब वह एक नन्हा बच्चा था.

हॉवर्ड ने सोने के ढक्कन को खोला. भीतर राजा की मम्मी है. उसके चेहरे पर एक सोने का सुंदर मुखौटा है. मुखौटे के नीचे शव कपड़े से ढका है. हॉवर्ड धीरे से कपड़ा हटाता है और पहली बार मृत राजा का चेहरा देखता है. यह एक युवा का चेहरा है. वह शांत दिखाई दे रहा है.

हॉवर्ड के लिए यह समझना कठिन है कि लोग अब भी राजा की मम्मी से डरते हैं. उन्हें लगता है कि इसमें जादुई शक्तियाँ हैं. यह कहानी शुरु होती है जब मकबरे के भीतर जाने के कुछ समय बाद ल़ार्ड कारनैरवॉन की मृत्यु हो जाती है. उनकी मृत्यु एक ज़हरीले कीड़े के काटने से होती है. लेकिन समाचार पत्रों में लिखा जात है कि उनकी मृत्यु राजा की मम्मी के अभिशाप के कारण हुई. उन्होंने लिखा कि टुट क्रोधित है कि उसका मकबरा खोला गया. और अब उसने ल़ार्ड कारनैरवॉन को दंडित किया है.

हॉवर्ड नहीं मानता कि इन मृत शरीरों में कोई जादुई शक्ति होती है. आखिरकार, मकबरा तो उसने खोला था, ल़ार्ड कारनैरवॉन ने नहीं. और हॉवर्ड स्वयं सही-सलामत है. वह कई वर्ष जीवित रहता है.

टुट का खज़ाना हॉवर्ड एक म्यूज़ियम को दे देता है. वह चाहता है कि वैज्ञानिक इनका शोध करें. वह चाहता है कि लाखों लोग इस खज़ाने को देखें.

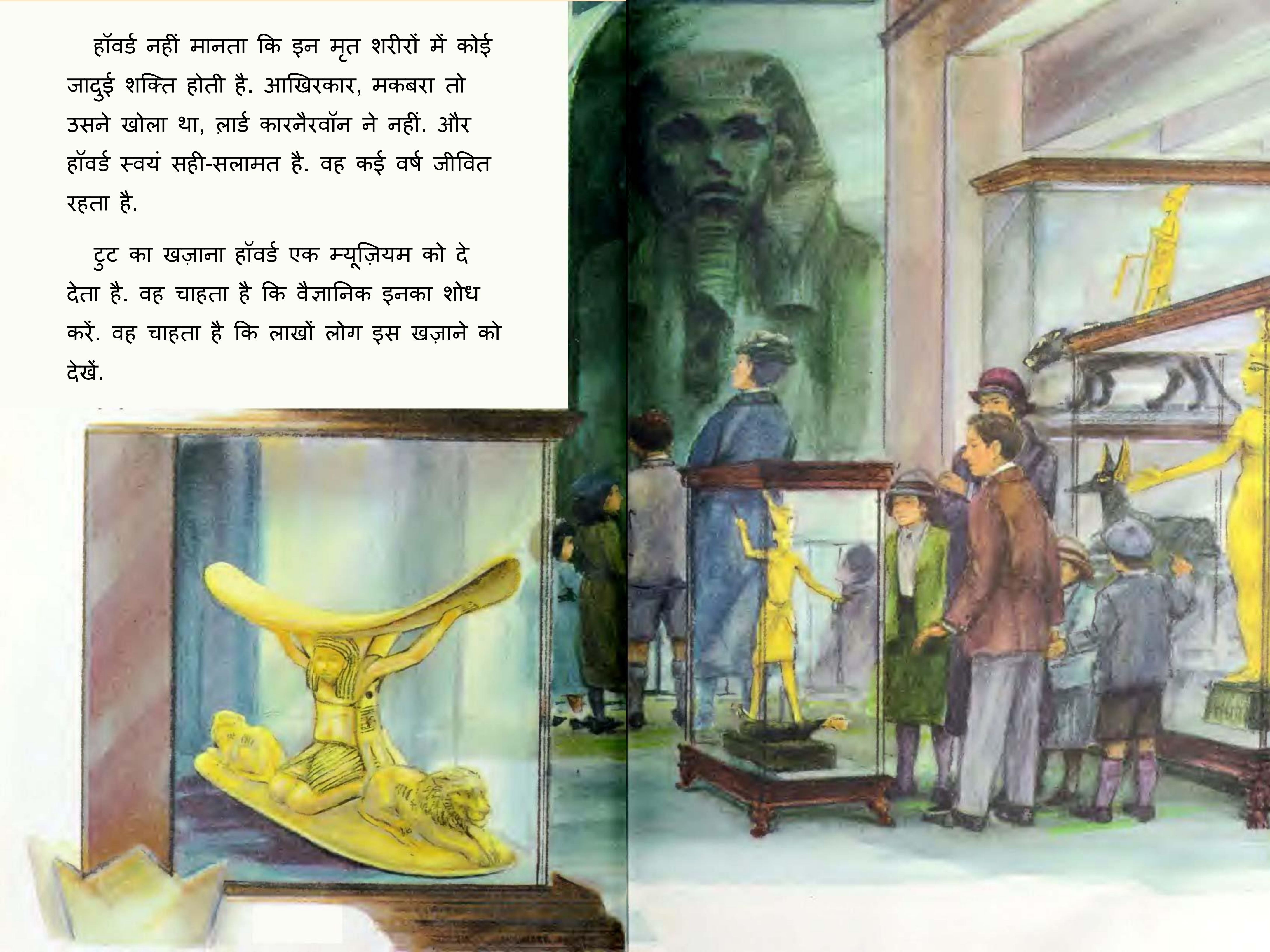

लेकिन उसे लगता है कि राजा की मम्मी के लिए एक ही उचित स्थान है. राजा की मम्मी वहीं रहेगी जहाँ वह 3300 वर्ष रही है. वह शाही मकबरे में ही रहेगी.

अधिकांश लोगों को लगता है कि कोई और व्यक्ति मिस्र में इतना अनूठा मकबरा नहीं ढूँढ सकता. कई लोग इस बात से सहमत नहीं हैं. वह राजाओं की घाटी आए हैं, खोज करने.

कम से कम एक शाही मकबरे की खोज अब तक नहीं हो पाई. वह है राजा टुट के पिता का मकबरा.